

{Shri Vayalar Ravi}

the External Affairs Ministry to waive the amount of 60 dirham or something. Also, I wrote to the Minister of Civil Aviation to make necessary arrangements through the Air India for more flights. ...(*Interruptions*)... Hear me.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Let him speak.

SHRI VAYALAR RAVI (Kerala): Our report is that they are searching for the people who are without proper visa or proper documents. Naturally, that Government has taken a decision to send them back. This is the position. What we can do is we can ask the Ambassador to take it up with the Labour Ministry. They have taken it up. But that Government has taken a view. This was about the diplomatic level. The External Affairs Minister or somebody can try to persuade the UAE Government to issue them visa. In case we have to bring them back, I am ready and I informed everybody accordingly. I am doing my best. At the same time, I agree with the hon. Members that at the level of the Government, we can try to persuade the UAE Government to allow them to stay there with visa and to also allow them to work with their sponsor or employer. I hope the External Affairs Minister will also take it up.

SHRI M. VENKAIAH NAIDU: I request you to take it up with the External Affairs Minister.

SHRI VAYALAR RAVI: I will take it up.

**Complaint against IRP personnel deployed at Zanskar sub-division of Kargil
District, Jammu and Kashmir**

श्री तरुण विजय (उत्तराखंड): आदरणीय उपसभापति महोदय, मैं झनस्कार के बौद्ध समाज की एक बहुत ही आकस्मिक और आपातकालीन समस्या की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ। महोदय, अगर दुनिया में किसी को **Secular** कहा जा सकता है तो वे लद्दाख के बौद्ध हैं, जो नाखून के बराबर भी अल्पसंख्यक नहीं हैं, वे इतनी छोटी संख्या में हैं। वे -28° से -38° के तापमान में रहते हैं, पानी भी उनको गर्म करके, पिघलाकर इस्तेमाल करना पड़ता है। उस इलाके में उनकी झनस्कार बुद्धिस्ट असोसिएशन नामक असोसिएशन है। यह असोसिएशन किसी पार्टी से संबंधित नहीं है। इसके सदस्य डिफरेंट पार्टीज के सदस्य होते हैं और वे बौद्ध लोग अपनी छोटी सी **monastery** चलाते हैं, उनकी छोटी सी कम्युनिटी है और चीन की सीमा से लगता हुआ इलाका है। चाहे 1962 की लड़ाई रही हो या कारगिल का युद्ध रहा हो, उन लोगों ने देश भक्ति का आदर्श उदाहरण प्रस्तुत करते हुए, अपनी जान कुर्बान

करते हुए हिन्दुस्तान की फौज का साथ दिया और वहां के बोद्धों ने "कीकी सासा लारझालो" का नारा लगाते हुए महावीर चक्र, वीर चक्र, कीर्ति चक्र--ऐसे अनेक वीरता के चक्र जीते। महोदय, वे तीन दिल पैदल चलकर लेह आते हैं और उनके बाद दिल्ली आते हैं। उनकी बुद्धिस्ट असेसिएशन के दस लोग एक हफ्ते से दिल्ली में पड़े हैं और उनके ऊपर जुल्म और अत्याचार हो रहे हैं, लेकिन कोई उनको मिलने का वक्त नहीं दे रहा है। महोदय, उन्होंने कहा है कि पिछले 28 नवम्बर के आस-पास चार बुद्धिस्ट परिवारों के 24 सदस्यों का जबरन धर्मान्तरण किया गया। उन्होंने लिखा है कि "We suspect a hatched conspiracy of some anti-national elements", जो सरहदी इलाके में असंतोष पैदा करके वहां पर शान्ति भंग करना चाहते हैं।" इतना ही नहीं, इनकी एक पवित्र झील है, मानसरोवर झील। उस झील में कभी भी झील में कभी भी फिशिंग की इजाजत नहीं दी गयी, लेकिन सरकार ने वहां पर आईआरपी बटालियन भेज दी, और उस बटालियन के डिप्टी एसपी ने उस झील में फिशिंग शुरू कर दी। महोदय, चीन सरकार की जो कम्युनिस्ट सरकार है, वह मानसरोवर झील में कभी फिशिंग की इजाजत नहीं देती।

कैलाश पर्वत पर पर्वतारोहण की इजाजत नहीं देती, वह भी लोगों की धार्मिक भावनाओं का सम्मान करती है। झनस्कार के बुद्धिस्ट लोगों की जो पवित्र झील है, जिस पर कश्मीर सरकार ने Holy Lake--No fishing allowed लिखा है, उसमें इस पुलिस बटालियन ने आकर मछलियां पकड़ीं। जब बौद्ध लोग वहां विरोध करने के लिए गये, तो उनको पीटा और 15 बौद्ध महिलाओं को गंभीर रूप से घायल कर दिया। ...**(व्यवधान)**...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Yes, your time is over. ...**(Interruptions)**... It is not being recorded. ...**(Interruptions)**... तरुण जी, बैठ जाइए। ...**(व्यवधान)**...

श्री तरुण विजय: महोदय, मैं सरकार से मांग करता हूं कि इसकी जांच होनी चाहिए और बौद्ध लोगों का धर्मान्तरण रोका जाना चाहिए। बहुत-बहुत धन्यवाद।

SHRI BALBIR PUNJ (Odisha): Sir, I associate myself with the matter raised by Shri Tarun Vijay.

DR. CHANDAN MITRA (Madhya Pradesh): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Tarun Vijay.

SHRI FAGGAN SINGH KULASTE (Madhya Pradesh): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Tarun Vijay.

SHRI THAAWAR CHAND GEHLOT (Madhya Pradesh): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Tarun Vijay.

डा. भरतकुमार राऊत (महाराष्ट्र): महोदय, मैं इस विषय से अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

श्री रघुनन्दन शर्मा (मध्य प्रदेश): महोदय, मैं इस विषय से अपने आपको सम्बद्ध करता हूँ।

श्री जगत प्रकाश नड्डा (हिमाचल प्रदेश): महोदय, मैं इस विषय से अपने आपको सम्बद्ध करता हूँ।

SHRI M. RAMA JOIS (Karnataka): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Tarun Vijay.

SHRI MUKHTAR ABBAS NAQVI (Uttar Pradesh): Sir, I also associate myself with the matter raised by Shri Tarun Vijay. ...*(Interruptions)*...

SHRI BALBIR PUNJ (Odisha): Sir, this is a very serious matter. If the Government can respond to this, it will be good. ...*(Interruptions)*... It is a matter of human rights. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: All names of those who are associating should be recorded. ...*(Interruptions)*...

श्री रवि शंकर प्रसाद (बिहार): सर, वे मॉइनारिटीज हैं। उनके राइट्स के पक्ष में गवर्नमेंट को रेसपांड करना चाहिए। मैं यह कह रहा था ...*(व्यवधान)*...

SHRI BALBIR PUNJ: Sir, the Government must respond to this. This is a very serious matter. They are in a minority and they have been forcibly converted. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The Minister is responding.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PLANNING (SHRI RAJEEV SHUKLA): Sir, it falls in the domain of the State Government. We will convey the feelings of the Members to the concerned State Government.

Indian hostages held by somalian pirates

SHRI RAJEEV CHANDRASEKHAR (Karnataka): Sir, on 17th March this year, an Indian ship, MT Royal Grace, was hijacked by Somalian pirates in the Nigerian waters. Seventeen Indians and other crew members were taken hostage with the ship. Even after eight months of this incident, the distraught family members of these people who have been taken hostage, have no information about their safety and well-being and are going through a tumultuous time.